ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 26-08-2022

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-08-26 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-08-27	2022-08-28	2022-08-29	2022-08-30	2022-08-31
वर्षा (मिमी)	10.0	15.0	25.0	25.0	20.0
अधिकतम तापमान(से.)	24.0	24.0	22.0	20.0	21.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	15.0	15.0	14.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	95	95	95	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	75	75	70
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	230	230	130	70	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	5	7	6	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में, हल्की से मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 20.0 से 24.0 व 14.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0 किमी/ घंटे की गति से पूर्व-उत्तर-पूर्व, दक्षिण-पूर्व, व दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। चेतावनीः 26 से 30 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं गरज के साथ आकाशीय बिजली गिरने और तेज बौछारें पड़ने तथा 27 से 29 अगस्त को कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना है। ईआरएफएस के अनुसार, 31अगस्त से 9 सितम्बर के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम तथा अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त एनडीवीआई व एसपीआई मानचित्रों ने संकेत दिया कि नैनीताल जिले के लिए एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है, यानी जिले में कृषि स्थिति मध्यम है तथा एसपीआई मानचित्र पिछले 4 हफ्तों (14 जुलाई से 10 अगस्त के दौरान) से जिले में हल्की सूखे की स्थिति दर्शाता है | किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ताओं) ओं और ऐप सेंटसें र (आईओएस उपयोगकर्ताओं) ओं से डाउनलोड किया जा सकता है| पशुओं को बारिश का पानी न पिलायें व खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था बनायें रखें तथा रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें। अत्यधिक वर्षा के कारण फल पौधों के थालों में एकत्रित पानी के निकास की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, हल्की से मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है। 26 से 30 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं गरज के साथ बिजली गिरने, तेज बौछारें पड़ने व 27 से 29 अगस्त को कहीं-कहीं भारी वर्षा की चेतावनी है|

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	फसल में जल निकासी की उचित व्यवस्था करे। धान में कहीं-कहीं पर बैक्टीरिया जनित झुलसा रोग का प्रकोप देखा जा रहा है। जीवाणु झुलसा को फैलने से रोकने के लिए, खेत में जलभराव नहीं होना चाहिए। साथ ही खेत में नाइट्रोजन की मात्रा को रोक दें और बीमारी का प्रकोप अधिक होने पर, कॉपर ओक्सीक्लोराइड 500ग्राम तथा स्टेपटोसाइक्लिन 15ग्राम, 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिकाव करें। छिड़काव करने के पूर्व खेत से पानी निकाल दें तथा यूरिया का प्रयोग न करें। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।
मक्का	फसल में जल निकासी की उचित व्यवस्था करे। मक्का की फसल मे पत्ती झुलसा रोग के नियंत्रण हेतु मैनकोजेब 2.5 ग्राम/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।
गन्ना	गन्ने की फसल में जल निकासी की उचित व्यवस्था करे। गन्ने की फसल में, सफेद मक्की के लिए थियामेथोक्ज़ाम 25 डब्लू जी का 125 ग्राम/है तथा व्हाइट ग्रब या कुरमुला कीट की रोकथाम हेतु फिप्रोनिल 40 प्रतिशत तथा इमिडाक्लोप्रिड 40 प्रतिशत डब्लू जी का 500 ग्राम/है0 की दर से खेत में प्रयोग मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।
मूली	पर्वतीय क्षेत्रों में असिंचित दशा में मूली एवं राई की बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	बैंगन की फसल में बरसात के दौरान जल निकास की समुचित व्यवस्था रखें तथा समय-समय पर फलों की तुड़ाई करें।
शिमला मिर्च	शिमला मिर्च शिमला मिर्च की फसल में बरसात के दौरान जल निकास की समुचित व्यवस्था रखें तथा समय-समय पर फलों की तुड़ाई करें।
सेब	सेब के थालो मे जल निकास की उचित व्यवस्था करे। सेब फलो की तुड़ाई कर गत्ते की पेटियो मे भरकर विपणन करे।
सेम की फली	फसल में बरसात के दौरान जल निकास की समुचित व्यवस्था रखें| फ्रासबीन में सफेद सड़न की रोकथाम हेतु कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम/लीटर का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करे।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को गलघोटू रोग से बचाने के लिए जानवरों को साफ-सुथरे स्थान पर बांधे तथा आस-पास बरसात का पानी इकट्ठा ना होने दें। गलघोटू रोग के लक्षण दिखने पर पीड़ित पशु की नस में सफोनामाइडस जैसे सल्फामेथाजाइन या सल्फरडाईमिडेन 150 मिग्रा/किग्रा के हिसाब से तीन दिन तक पशुचिकित्सक की सलाह से दें। पशु को ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके निकटतम पशु चिकित्सक की सलाह से यूटरोटोन/हरीरा/गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए।